



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 89]

नई दिल्ली, मंगलवार, मई 27, 2008/ज्येष्ठ 6, 1930

No. 89]

NEW DELHI, TUESDAY, MAY 27, 2008/JYAISTHA 6, 1930

महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण

अधिसूचना

मुम्बई, 22 मई, 2008

सं. टीएएमपी/47/2006-वीपीआरसीएल.-महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 48 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण एतत्तद्वारा, विशाखापत्तनम् पत्तन को राष्ट्रीय राजमार्ग-5 से जोड़ने वाले जोड़ मार्गों/उड़ान पुलों के लिए टोल में वार्षिक वृद्धि हेतु विशाखापत्तनम् पत्तन सड़क कम्पनी लिमिटेड (वीपीआरसीएल) के प्रस्ताव को इसके साथ संलग्न आदेशानुसार अनुमोदन प्रदान करता है।

अनुसूची

प्रकरण सं. टीएएमपी/47/2006-वीपीआरसीएल

विशाखापत्तनम् पत्तन सड़क कम्पनी लिमिटेड

.....आवेदक

आदेश

(अप्रैल 2008 के 22वें दिन पारित)

यह प्रकरण विशाखापत्तनम् पत्तन को राष्ट्रीय राजमार्ग-5 से जोड़ने वाले जोड़ मार्गों/उड़ान पुलों के लिए इस प्राधिकरण द्वारा टोल में वार्षिक वृद्धि हेतु विशाखापत्तनम् पत्तन सड़क कम्पनी लिमिटेड (वीपीआरसीएल) से प्राप्त प्रस्ताव से सम्बन्धित है।

2.1. इस प्राधिकरण ने, दिसम्बर 2006 से यातायात के लिए खुल चुके नए-नए निर्मित जोड़ मार्ग के लिए टोल को तदर्थ अनुमोदन प्रदान करते हुए 28 नवम्बर 2006 को एक आदेश पारित किया था।

2.2. तदनन्तर, इस प्राधिकरण ने, वीपीआरसीएल द्वारा प्रचालित कथित सड़क / उड़ान पुल के लिए फाइनल टोल निर्धारित करते हुए 7 अगस्त 2007 को एक आदेश पारित किया था। उक्त आदेश भारत के राजपत्र सं. 164 के माध्यम से 16 अगस्त 2007 को अधिसूचित किया गया था।

2.3. वीपीआरसीएल ने अपने आरंभिक प्रस्ताव में, जो सम्बद्ध पक्षों में परिपत्रित किया गया था, दिसम्बर 2005 के थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यू पीआई) के आधार पर, टोल में वार्षिक वृद्धि का प्रावधान किया था। चूंकि बीओटी प्रोजेक्ट के लिए नई राष्ट्रीय राजमार्ग टोल नीति विधि मंत्रालय द्वारा संवीक्षा के अधीन थी, वीपीआरसीएल ने, बाद में, केन्द्र सरकार द्वारा नीति को अनुमोदन प्रदान के बाद वार्षिक वृद्धि निर्धारित करने हेतु अलग से प्रस्ताव दाखिल करने के लिए सहमति व्यक्त कर दी थी।

2.4. वीपीआरसीएल द्वारा की गई उपरोक्त प्रस्तुतियों की दृष्टि से इस प्राधिकरण ने 7 अगस्त 2007 को पारित अपने आदेश में कहा था कि जब भी केन्द्र सरकार द्वारा फार्मूले को अनुमोदन प्रदान किया जाता है, वीपीआरसीएल टोल में वार्षिक वृद्धि के लिए एक अलग प्रस्ताव लेकर आ सकता है।

3.1. इस पृष्ठभूमि में, वीपीआरसीएल ने, 15 दिसम्बर 2007 से प्रभावी वर्तमान टोल में वार्षिक वृद्धि के लिए एक प्रस्ताव दाखिल किया है। इसने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की प्रचलित नीति पर आधारित वर्तमान टोल को, निम्नलिखित फार्मूला लागू करते हुए, बढ़ाने का प्रस्ताव किया है :-

$$\text{आधार शुल्क} \times \frac{\text{थोमूसू}_0}{\text{थोमूसू}_1}$$

यहां WPI₀ आधार WPI (थोक मू.सू.) अर्थात् दिसम्बर 2005 का थो.मू.सू. (197.2)

WPI₁ आर्थिक सलाहकार के कार्यालय, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के वैबसाइट से प्राप्त किया गया थो.मू.सू. (WPI) 215.2 है

3.2. तदनुसार वीपीआरसीएल ने उपरोक्त फार्मूला पर आधारित वर्तमान टोल पर वार्षिक वृद्धि लागू करते हुए और इस प्रकार से गणना की गई दरों रु. 5/- के गुणजों में राउंड ऑफ करते हुए संशोधित टोल शेंडयूल प्रस्तावित किया है।

3.3. वीपीआरसीएल ने निवेदन किया है कि नई एनएचएआई नीति को अभी तक फाइनल रूप नहीं दिया गया है। एनएचएआई के बीओटी प्रोजेक्ट्स के मामले में उपयोगकर्ता शुल्क (टोल) का वार्षिक संशोधन वाणिज्यिक प्रचालन की प्रथम वर्षगांठ से प्रभावित होता है। इसके मामले में, उपयोगकर्ता शुल्क का संग्रह 15 दिसम्बर 2006 से आरम्भ हुआ और, अतएव, बीओटी प्रोजेक्टों के लिए एनएचएआई की प्रचलित नीति के अनुसार वार्षिक संशोधन 15 दिसम्बर 2007 से देय हो गया है। इसने इस बात की पुष्टि की है कि वर्तमान टोल में वार्षिक वृद्धि के लिए प्रस्तावित फार्मूला एनएचएआई की प्रचलित नीति के अनुसार है।

4.1. विशाखापत्तनम पत्तन न्यास (वीपीटी) ने इस बात की पुष्टि की है कि टोल में वार्षिक संशोधन पत्तन मार्ग प्रोजेक्टों के लिए एनएचएआई नीति पर आधारित है और इसलिए, उसने प्रस्ताव के अनुमोदन की सिफारिश की है।

4.2. जैसाकि पहले उल्लेख किया गया था, उपयोगकर्ताओं को परिपत्रित किए गये आरम्भिक प्रस्ताव में, दिसम्बर 2005 के थो.मू.सू. को आधार लेते हुए वार्षिक वृद्धि के लिए पहले ही एक प्रावधान था। टोल में वार्षिक वृद्धि का लगाया जाना अगली नीति उपलब्ध होने तक केवल स्थगित किया गया था। इसके मद्देनजर और इस बात को मान्यता देते हुए कि टोल में वार्षिक वृद्धि के लिए अब प्रस्तावित किया गया फार्मूला इसी प्रकार के प्रोजेक्टों सरकार द्वारा निर्धारित वर्तमान फार्मूला पर आधारित है, एक बार पुनः उपयोगकर्ताओं से परामर्श की प्रक्रिया को दोहराना आवश्यक नहीं समझा गया था।

5. वीपीआरसीएल ने विचाराधीन प्रस्ताव पर इस प्राधिकरण द्वारा कुछ बिन्दुओं पर उठाए गए प्रश्नों के संदर्भ से स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया है। वीपीआरसीएल द्वारा प्रस्तुत किए गए कुछ मुख्य बिन्दु संक्षेप में नीचे दिए गए हैं:-

- (i) इसके दिनांक 8 नवम्बर 2006 के आरम्भिक प्रस्ताव में वर्ष 2006-07 के लिए प्रस्तावित टोल दरें 31 दिसम्बर 2005 के थो.मू.सू. पर आधारित है।
- (ii) प्रकाशित थो.मू.सू. आमतौर पर न्यूनतम पांच सप्ताह के बाद वैबसाइट पर उपलब्ध होता है। चूंकि टोल में संशोधन दिसम्बर 2007 से अपेक्षित है, इसने पांच सप्ताह पहले उपलब्ध थो.मू.सू. पर आधारित थो.मू.सू. पर ही विचार करने का प्रस्ताव किया है।

6. वीपीआरसीएल ने एनएचआई की प्रचलित नीति की प्रति अग्रेषित नहीं की है। इसने इतर बीओटी परियोजनाओं के संदर्भ में सड़क यातायात और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा जारी राजपत्र अधिसूचनाओं की प्रतियाँ प्रस्तुत की हैं। राजपत्र अधिसूचनाओं में सड़क यातायात और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा निर्धारित वृद्धि फार्मूला नीचे तालिका में दिया है :-

प्रोजेक्ट का नाम मंत्रालय द्वारा अधिसूचना की तिथि	शुल्क (टोल) में वृद्धि के लिए निर्धारित फार्मूला	यहाँ
1. राष्ट्रीय राजमार्ग-8 पर जयपुर - किशनगढ़ 20.12.2003 को अधिसूचित	आधार शुल्क X थो.मू.सू.-बी थो.मू.सू.-ए	थो.मू.सू.-ए. 31.03.1997 को थो.मू.सू.-बी. = शुल्क संशोधन तिथि से पहले 31 मार्च को थो.मू.सू.
2. राष्ट्रीय राजमार्ग-4 पर नील मंगला - तुम्कुर 24.12.2003 को अधिसूचित	आधार शुल्क X थो.मू.सू.1 थो.मू.सू.0	थो.मू.सू.ए.0= 31.03.1997 को थो.मू.सू. थो.मू.सू.1= शुल्क संशोधन तिथि से पहले 31 मार्च को थो.मू.सू.
3. राष्ट्रीय राजमार्ग-4 पर सातारा-कागल 05.05.2005 को अधिसूचित	आधार शुल्क X थो.मू.सू.1 थो.मू.सू.0	थो.मू.सू.0.=01.03.1997 को थो.मू.सू. थो.मू.सू.1 = शुल्क संशोधन तिथि से पहले 31 मार्च को थो.मू.सू.
4. राष्ट्रीय राजमार्ग 8 पर दिल्ली-गुडगांव 18.06.2007 को अधिसूचित	आधार शुल्क X थो.मू.सू.-बी थो.मू.सू.-ए	थो.मू.सू.-ए.=01.04.2005 को थो.मू.सू. थो.मू.सू.-बी = शुल्क संशोधन तिथि से पहले 31 दिसम्बर को थो.मू.सू.
5. मुंबई -जेएनपीटी पत्तन सम्पर्क प्रोजेक्ट 13.07.2005 को अधिसूचित	आधार शुल्क X थो.मू.सू.-ए. थो.मू.सू.-बी	थो.मू.सू.-बी.=31.03.2004 को थो.मू.सू. थो.मू.सू.-ए = शुल्क संशोधन तिथि से पहले 31 मार्च को थो.मू.सू.

7. वीपीआरसीएल द्वारा अग्रेषित ऐसी ही प्रकृति के अन्य बीओटी प्रोजेक्टों के लिए सड़क यातायात और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं दिखाती हैं कि मंत्रालय द्वारा अनुमोदित आधार टोल, प्रदत्त फार्मूला के आधार पर वार्षिक संशोधन के अधीन हैं। टोल में वार्षिक वृद्धि के लिए वीपीआरसीएल द्वारा प्रस्तावित फार्मूला वैसा ही पाया गया है जैसा इसी प्रकार के अन्य बीओटी प्रोजेक्टों के लिए सड़क यातायात तथा राजमार्ग मंत्रालय द्वारा प्रदान किया गया है। अतएव यह प्राधिकरण, टोल में वार्षिक वृद्धि के लिए वीपीआरसीएल द्वारा प्रस्तावित फार्मूला को इस शर्त पर अनुमोदन प्रदान करने का इच्छुक है जिसकी इस आदेश के आगामी भाग में व्याख्या की गई है।

8. (i) इस प्राधिकरण द्वारा वीपीआरसीएल का अनुमोदित आरम्भिक टोल 31 दिसम्बर 2005 को थो.मू.सू. पर आधारित है। यह वीपीआरसीएल के आरम्भिक प्रस्ताव में स्पष्ट रूप से प्रस्तावित किया गया था। टोल में वार्षिक वृद्धि निर्धारित करने के लिए उसी आधार थो.मू.सू. को कायम रखने का प्रस्ताव रखा है। अतएव, 31 दिसम्बर 2005 को थो.मू.सू. पर आधार थो.मू.सू. के रूप में विचार करने हेतु वीपीआरसीएल का प्रस्ताव (1972) स्वीकार किया जाता है।

(ii) टोल में वार्षिक वृद्धि लागू करने के लिए वीपीआरसीएल ने 22 सितम्बर 2007 को सप्ताह के लिए थो.मू.सू. लागू करने का प्रस्ताव किया है। इसने इसको न्याय संगत ठहराया है कि वैब साइट में अद्यतन थो.मू.सू. को प्राप्त करने में कम से कम पाँच सप्ताह लगते हैं। इसलिए, संशोधित तिथि से पांच सप्ताह पहले के थो.मू.सू. पर फार्मूला में विचार किया गया है। टोल तय करते समय विचार किया गया आधार थो.मू.सू. 31 दिसम्बर 2005 का है। इसलिए, वार्षिक वृद्धि को बाद के वर्षों के 31 दिसम्बर पर थो.मू.सू. के संदर्भ से नापना उचित ही है। ऐसा ही नजरिया, ऊपर संदर्भित अन्य प्रोजेक्टों में सरकार द्वारा निर्धारित फार्मूला में अपनाया गया है।

वीपीआरसीएल ने अपने प्रस्ताव में 15 दिसम्बर 2007 से टोल को संशोधित करने का प्रस्ताव किया है। जिन उपयोगकर्ताओं ने उक्त सड़क / उड़्डान पुल का उपयोग पहले ही कर लिया है, उनसे पिछले प्रभाव से टोल की उगाही करना व्यवहार्य नहीं होगा। थो.मू.सू. प्राप्त करने में लगने वाले समय को मान्य करते हुए संशोधित टोल प्रत्येक वर्ष 1 अप्रैल से प्रभावी होगा।

चूंकि टोल में वार्षिक वृद्धि 31 दिसम्बर को थोमसू के संदर्भ से परिगणित की जानी है और आने वाले वर्ष के 1 अप्रैल से लागू की जानी है, वीपीआरसीएल मामले में इससे पहले अधिसूचित आधार टोल 31 दिसम्बर 2007 को थोमसू के आधार पर अनुमोदित वृद्धि फार्मूला के अनुसार संशोधित किया जाना है और संशोधित टोल 1 अप्रैल 2008 से लगाया जाएगा।

- (iii) वीपीआरसीएल ने वर्तमान टोल पर वार्षिक वृद्धि लगाने हैं और संशोधित दरों को रु. 5/- के गुणकों में राउंड ऑफ करने का प्रस्ताव किया है। ऐसे ही अन्य सड़क प्रोजेक्टों के लिए सड़क यातायात और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा प्रदत्त वार्षिक वृद्धि के लिए फार्मूला राउंड ऑफ को रु. 1/- के गुणकों में सीमित करता है। वीपीआरसीएल के मामले में कोई असाधारण परिस्थिति नहीं उभरती जो राउंडिंग ऑफ को रु. 5/- के गुणकों में अनुमत करे। अतएव, प्रस्तावित प्रावधान सड़क यातायात और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा जारी की गई अन्य अधिसूचनाओं में निहित निदेशों के अनुरूप परिवर्तित किया जाता है।
- (iv) सड़क यातायात और राजमार्ग मंत्रालय ने ऐसे ही बीओटी प्रोजेक्टों के लिए टोल के वार्षिक संशोधन के लिए एक फार्मूला निदेशित भर किया है। वीपीआरसीएल मामले में भी वैसा ही होते हुए टोल में वार्षिक वृद्धि के लिए फार्मूला निदेशित करना पर्याप्त होगा। वीपीआरसीएल वार्षिक रूप से संशोधित कर सकता है और अनुमोदित फार्मूला लागू करते हुए संशोधित टोल लगा सकता है।

9. परिणामस्वरूप और ऊपर प्रदत्त कारणों से यह प्राधिकरण, इस प्राधिकरण द्वारा आदेश सं. टीएमपी / 47 / 2006 - वीपीआरसीएल के जरिए अनुमोदित और 16 अगस्त 2007 को अधिसूचित वर्तमान टोल संरचना में निम्नलिखित मद शामिल करने को अनुमोदित करता है:

“(IV). टोल में वार्षिक वृद्धि

नोट्स:

- (1) टोल का वार्षिक संशोधन निम्नानुसार परिगणित किया जाएगा:

$$\text{आधार शुल्क} \times \frac{\text{थोमसू}_1}{\text{थोमसू}_0}$$

यहाँ

- थोमसू₀ = 31 दिसम्बर 2005 को थोक मूल्य सूचकांक (197.2)
 - थोमसू₁ = शुल्क संशोधन तिथि से पूर्व 31 दिसम्बर को थोक मूल्य सूचकांक
- (2) संशोधित टोल, वर्ष 2008 से आरम्भ करते हुए प्रत्येक वर्ष 1 अप्रैल से लगाया जाएगा।
- (3) थोमसू का अर्थ है वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सभी वस्तुओं के लिए प्रकाशित थोक मूल्य सूचकांक।
- (4) लगाए गए संशोधित टोल को एक रुपये के निकटतम गुणज में राउंड ऑफ किया जाएगा। राउंड-ऑफ करते समय 50 पैसे तक के रूपयांश को नजरंदाज किया जाएगा और 50 पैसे से अधिक के रूपयांश को अगले पूर्ण रुपये में राउंड-ऑफ किया जाएगा।

ब्रह्म दत्त, अध्यक्ष

[विज्ञापन III/4/143/08-असा.]

TARIFF AUTHORITY FOR MAJOR PORTS**NOTIFICATION**

Mumbai, the 22nd May, 2008

No. TAMP/47/2006-VPRCL.—In exercise of the powers conferred by Section 48 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Tariff Authority for Major Ports hereby approves the proposal of the Visakhapatnam Port Road Company Limited (VPRCL) for annual escalation in toll for the link road/flyovers connecting the Visakhapatnam Port to National Highway-5, as in the Order appended hereto.

SCHEDULE**Case No. TAMP/47/2006-VPRCL****Visakhapatnam Port Road Company Limited****.....Applicant****ORDER**

(Passed on this 22nd day of April 2008)

This case relates to a proposal received from the Visakhapatnam Port Road Company Limited (VPRCL) for annual escalation in toll fixed by this Authority for the link road/flyovers connecting the Visakhapatnam Port to National Highway-5.

2.1. This Authority had passed an Order on 28 November 2006 granting adhoc approval of the toll for newly developed link road opened to the traffic from December 2006.

2.2. Subsequently, this Authority had passed an Order on 7 August 2007 fixing the final toll for the said road / flyover operated by the VPRCL. The said Order was notified in the Gazette of India on 16 August 2007 vide Gazette No. 164.

2.3. The VPRCL in its initial proposal which was circulated among the concerned parties had provided for an annual escalation in the toll based on Wholesale Price Index (WPI) of December 2005. Since the new National Highway Toll Policy for BOT project was under vetting by Ministry of Law, the VPRCL had subsequently agreed to file a separate proposal for determining the annual escalation in toll after the policy is approved by the Central Government.

2.4. In view of the above submissions made by the VPRCL, this Authority in its Order passed on 7 August 2007 stated that VPRCL can come up with a separate proposal for annual escalation in toll as and when the formula is approved by the Central Government.

3.1. In this backdrop, the VPRCL has filed a proposal for annual escalation in the existing toll w.e.f. 15 December 2007. It has proposed to escalate the existing toll based on the prevailing policy of National Highways Authority of India (NHAI) applying the following formula:

$$\text{Base Rate} \times \frac{\text{WPI}_1}{\text{WPI}_0}$$

Where, WPI_0 is the base WPI, i.e., of December 2005 (197.2)

WPI_1 is the WPI (obtained from the website of Office of Economic Advisor, Ministry of Commerce and Industry) at 215.2.

3.2. The VPRCL has, accordingly, proposed revised toll schedule applying annual escalation on the existing toll based on the above mentioned formula and rounding off the derived rates to Rs. 5/-.

2016.05.10/03-2

3.3. The VPRCL has submitted that the new NHAI toll policy is not yet finalised. In case of BOT projects of NHAI, annual revision of user fee (toll) is effected from first anniversary of commercial operation. In its case, the collection of user fee started from 15 December 2006 and, therefore, as per the prevailing policy of NHAI for BOT projects, annual revision is due with effect from 15 December 2007. It has confirmed that the proposed formula for annual escalation in the existing toll is as per the prevailing policy of NHAI.

4.1. The Visakhapatnam Port Trust (VPT) has confirmed that the proposed annual revision in toll is based on the NHAI policy for port connectivity road projects and has, therefore, recommended approval of the proposal.

4.2. As already mentioned earlier, the initial proposal circulated to users already contained a provision for annual escalation taking the base WPI of December 2005. Introduction of annual escalation in the toll was only deferred till a new policy is available. In view of this and also recognising that the formula now proposed for annual escalation in toll is based on the existing formula prescribed by the Government in similar projects, it was not found necessary to follow the usual consultation with users once again.

5. The VPRCL has furnished clarification with reference to queries raised by this Authority on a few points on the subject proposal. Some of the main points made by the VPRCL are summarised below:

- (i). The toll rates proposed for the year 2006-07 in its initial proposal dated 8 November 2006 is based on WPI of 31 December 2005.
- (ii). The published WPI is generally available on the website after minimum five weeks time. Since the revision in toll is due from December 2007, it has proposed to consider the WPI_1 based on the available WPI five weeks before.

6. The VPRCL has not forwarded a copy of the prevailing policy of NHAI. It has, however, submitted copies of Gazette Notifications issued by the Ministry of Road Transport and Highways with reference to other BOT projects. The escalation formula prescribed by the Ministry of Road Transport and Highways in the Gazette Notifications is tabulated below:

Name of Project Date of Notification by the Ministry	Formula prescribed for escalation in fee (toll)	Where
1. Jaipur-Kishangarh on NH-8 notified on 20.12.2003	Base fee $\times \frac{WPI-B}{WPI-A}$	$WPI-A = WPI$ on 31.03.1997 $WPI-B = WPI$ on 31 March preceding the fee revision date
2. Neelmangla-Tumkur on NH-4 notified on 24.12.2003	Base fee $\times \frac{WPI_1}{WPI_0}$	$WPI_0 = WPI$ on 31.03.1997 $WPI_1 = WPI$ on 31 March preceding the fee revision date
3. Satara-Kagal on NH-4 notified on 05.05.2005	Base fee $\times \frac{WPI_1}{WPI_0}$	$WPI_0 = WPI$ on 31.03.1997 $WPI_1 = WPI$ on 31 March preceding the fee revision date
4. Delhi-Gurgoan on NH-8 notified on 18.06.2007	Base fee $\times \frac{WPI-B}{WPI-A}$	$WPI-A = WPI$ on 01.04.2005 $WPI-B = WPI$ on 31 December preceding the fee revision date
5. Mumbai – JNPT port connectivity project notified on 13.07.2005	Base fee $\times \frac{WPI-A}{WPI-B}$	$WPI-B = WPI$ on 31.03.2004 $WPI-A = WPI$ on 31 March preceding the fee revision date

7. The notifications issued by the Ministry of Road Transport and Highways for other BOT Projects of similar nature forwarded by the VPRCL show that the base toll approved by the Ministry are subject to annual revision based on the prescribed formula. The formula for annual escalation in toll proposed by the VPRCL is found to be the same as prescribed by the Ministry of Road Transport and Highways for other BOT projects of similar nature. This Authority is, therefore, inclined to approve the formula for annual escalation in toll as proposed by VPRCL subject to modifications as explained in the subsequent part of this Order.

8. (i). The initial toll of VPRCL approved by this Authority is based on WPI of 31 December 2005. This was clearly brought out in the initial proposal of the VPRCL. The VPRCL has proposed to retain the same base WPI for determining annual escalation in the toll. The proposal of VPRCL to consider the base WPI as on 31 December 2005 (i.e. 197.2) is, therefore, accepted.

(ii). The VPRCL has proposed to apply the WPI for the week ended on 22 September 2007 for applying annual escalation in toll. It has justified that it takes a minimum of five weeks to obtain the updated WPI in the website, hence the WPI five weeks before the revision date is considered in the formula.

The base WPI considered while fixing the toll is of 31 December 2005. Hence it is appropriate to measure annual escalation with reference to the WPI as on 31 December of the subsequent years. A similar approach has been followed in the formula prescribed by the Government in other projects referred above.

The VPRCL has proposed to revise the toll with effect from 15 December 2007 in its proposal. It may not be practicable to collect toll with retrospective effect from the users who have already used the said road / flyover. Recognising the time involved in obtaining the WPI, the revised toll will take effect from 1 April of every year.

Since the annual escalation in toll is to be computed with reference to WPI as on 31 December and it is to be implemented with effect from 1 April of the succeeding year, the base toll notified earlier in the VPRCL case will be revised as per the approved escalation formula based on the WPI as of 31 December 2007 and the revised toll will be levied from 1 April 2008.

(iii). The VPRCL has proposed to apply annual escalation on the existing toll and round off the revised rates to Rs. 5/-. The formula for annual escalation prescribed by the Ministry of Road Transport and Highways for similar other road projects restricts the rounding off to next Re. 1/-. There is no extraordinary circumstance emerging in case of VPRCL to allow rounding off upto Rs. 5/-. The proposed provision is, therefore, modified in line with the prescription in other Notifications issued by the Ministry of Road Transport and Highways.

(iv). The Ministry of Road Transport and Highways has only prescribed a formula for annual revision of toll for similar BOT projects. That being so, in the case of VPRCL also, it is sufficient to prescribe the formula for annual escalation in toll. The VPRCL can annually revise and levy the revised toll by applying the approved formula.

9. In the result, and for the reasons given above, this Authority approves insertion of the following section in the existing toll structure approved by this Authority vide Order No. TAMP/47/2006-VPRCL notified on 16 August 2007:

"(IV). ANNUAL ESCALATION IN TOLL:

Notes:

(1). The annual revision of toll shall be computed as follows:

$$\text{Base fee} \quad \times \quad \frac{WPI_1}{WPI_0}$$

Where

- WPI_0 = Wholesale Price Index on 31 December 2005 (197.2)
- WPI_1 = Wholesale Price Index as on 31 December preceding the fee revision date

(2). The revised toll will be levied w.e.f. 1 April every year commencing from the year 2008.

- (3). WPI means the Wholesale Price Index for all commodities published by the Ministry of Commerce and Industry, Government of India.
- (4). The revised toll to be levied shall be rounded off to the nearest one rupee. While rounding off, fraction upto and inclusive of 0.50 paise shall be ignored and fraction above 0.50 paise shall be rounded off to the next rupee."

BRAHM DUTT, Chairman

[ADVT III/4/143/08-Exty.]